G–205

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2022–23

एम.ए. (संस्कृत) अंतिम

विषय – गद्य एवं काव्य **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. 'मेघदूतम्' का प्रधान रस लिखिए।
2. कुवलय का क्या अर्थ है ?
3. देवगिरि पर्वत पर किसका निवास है ?
4. शिप्रा नदी कहाँ स्थित है ?
5. श्रीहर्ष का स्थिति काल लिखिए।
6. राजा नल किस युग के राजा थे ?
7. 'कुमारसंभवम्' के प्रथम सर्ग में प्रयुक्त छन्द लिखिए।
8. 'कुमारसंभवम्' का प्रतिनायक कौन है ?

खण्ड—ब

9. मन्दायन्ते न खलु सुहदामभ्युपेतार्थ कृत्याः की व्याख्या कीजिए।
10. उज्जयिनी का वर्णन कीजिए।
11. राजा नल के मुखसौन्दर्य का वर्णन कीजिए।

12. 'यशः परं तद्भर चातुरी तुरी' इस पर प्रकाश डालिए।

13. हिमालय का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

14. 'एको हि दोषो गुण सन्निपाते' का सार स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—स

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए—

15. प्रद्योतस्य प्रियदुहितरं वत्सरोजोऽत्र जहे,

    हैमं तालद्रुभवनं मभूदत्र तस्यैव राज्ञः।

    अत्रोद्भ्रान्तः किल नलगिरिः स्तम्भमुत्पाट्यदर्पा,

    दित्यागन्तून् रमयति जनो यत्र बन्धूनभिज्ञः॥

16. तस्यास्तीरे रचितशिखरः पेशलैरिन्द्रनीलैः,

    क्रीडाशैलः कनक कदली वेष्टन प्रेक्षणीयः।

    महगेहिन्याः प्रिय इति सखे! चेतसा कातरेण,

    प्रेक्ष्येपान्तस्फूरिततडितं त्वां तमेव स्मरामि॥

17. जगज्जयं तेन च कोशमक्षयं,

    प्रणीतवान् शैशवशेषवायनम्।

    सखा रतीशस्य ऋतुर्यया वनं,

    वपुस्तयालिङ्गदथास्य यौवनम्॥

18. प्रभामहत्या शिखयेव दीपस्त्रि,

    मार्गयेव त्रिदिवस्य मार्गः।

    संस्कार वत्येव गिरामनीषी

    तया स पूतश्च विभूषितश्च॥

खण्ड—द

19. यक्ष की विरहावस्था का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

20. 'मेघदूतम्' का प्राकृतिक चित्रण कीजिए।

21. ‘नैषधं विद्वदौषधम्’ इस कथन की समीक्षा कीजिए।

22. ‘कुमारसंभवम्’ के प्रथम सर्ग का कथासार लिखिए।

खण्ड—इ

23. ‘उपमा कालिदासस्य’ इस कथन की विस्तार से व्याख्या कीजिए।

24. ‘नैषधीयचरितम्’ महाकाव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

आवश्यक निर्देश :—

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 जनवरी 2023तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व—हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई—जून 2022—23 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई—जून 2022—23 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय—वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक—सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2022–23

एम.ए. (संस्कृत) अंतिम

विषय – साहित्यशास्त्र — **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 — **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. काव्य के कितने भेद हैं ?
2. काव्य का 'अंतिम' प्रयोजन क्या है ?
3. मम्मट ने कितने प्रकार के शब्द बताये हैं ?
4. संकेतिक अर्थ कितने प्रकार के होते हैं ?
5. 'ध्वन्यालोक' के रचयिता कौन हैं ?
6. रामायण का मुख्य रस क्या है ?
7. नेपथ्य का मतलब क्या है ?
8. क्षेमेन्द्र किस सम्प्रदाय के प्रतिष्ठाता हैं ?

खण्ड—ब

9. संकेत का प्रमुख साधन क्या है ?

10. अभिधा का स्वरूप क्या है ?

11. गुर्णाभूतव्यङ्ग्य काव्यों के भेदों के नाम लिखिए।

12. ध्वनि का लक्षण लिखिए।

13. ध्वनि शब्द का अर्थ लिखिए।

14. औचित्य के भेदों को लिखिए।

खण्ड—स

15. ध्वनि काव्य का उत्तम काव्य क्यों माना जाता है ? स्पष्ट कीजिए।

16. 'रस्यते' इति रसः का भाव क्या है ?

17. भाक्तवादियों का मत लिखिए।

18. किन-किन सामग्रियों के रस की अनुभूति होती है ?

खण्ड—द

19. गुणीभूत व्यङ्ग्य काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

20. रसों के विविध प्रकारों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

21. ध्वन्यालोक का परिचय दीजिए।

22. नाट्य की उत्पत्ति पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—इ

23. भाक्तवादियों के मत का खण्डन कीजिए।

24. काव्यशास्त्र के प्रमुख सम्प्रदायों का परिचय दीजिए।

आवश्यक निर्देश :—

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 जनवरी 2023तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व—हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई—जून 2022—23 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई—जून 2022—23 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय—वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक—सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

G–207

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2022–23

एम.ए. (संस्कृत) अंतिम

विषय – नाटक तथा नाट्यशास्त्र **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. 'मुद्राराक्षस' नाटक में कितने अंक हैं ?
2. चन्दनदास कौन है ?
3. 'वेणीसंहार' नाटक में प्रधान रस कौन-सा है ?
4. 'वेणीसंहार' नाटक के कथानक का मूल स्रोत क्या है ?
5. 'मृच्छकटिकम्' किस कोटि का रूपक है ?
6. चारुदत्त की पत्नी का नाम क्या है ?
7. दशरुपककार के अनुसार अर्थ प्रकृतियों की संख्या कितनी है ?
8. दशरूपक के अनुसार पताका एवं प्रकरी का लक्षण लिखिए।

खण्ड—ब

9. 'मुद्राराक्षस' नाटक की विशेषतायें लिखिए।

10. अर्जुन ने क्या प्रतिज्ञा की थी ?

11. दुर्योधन अपनी पत्नी पर किस कारण अत्यंत क्रुद्ध हो उठा ?

12. शर्विलक किस प्रयोजन से चारुदत्त के घर में चोरी करता है ?

13. वसन्तसेना का रात्रि में कौन पीछा करता है और क्यों ?

14. नाट्य किसे कहते हैं ?

खण्ड—स

15. 'मुद्राराक्षस' नाटक के नामकरण की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

16. 'वेणीसंहार' नाटक का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

17. वसन्तसेना का संक्षिप्त चरित्र-चित्रण कीजिए।

18. धीरललित नायक का लक्षण स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—द

19. 'मुद्राराक्षस' नाटक के आधार पर चाणक्य का चरित्र-चित्रण कीजिए।

20. 'वेणीसंहार' नाटक के नामकरण की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

21. मृच्छकटिकम् के नायक चारुदत्त की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

22. दशरूपक के आधार पर प�चावस्थाओं का विवेचन कीजिए।

खण्ड—इ

23. मुद्राराक्षसम् के आधार पर विशाखदत्त की नाट्यकला की समीक्षा कीजिए।

24. मृच्छकटिकम् नामक रूपक की कथावस्तु लिखिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 जनवरी 2023तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2022–23 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2022–23 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2022–23

एम.ए. (संस्कृत) अंतिम

विषय – भारतीय समाज एवं पर्यावरण **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. अध्यात्म रामायण किस पुराण का अंश है ?
2. उप-पुराणों की संख्या कितनी है ?
3. ऋग्वेद के किस सूक्त में एकेश्वरवाद का प्रतिपादन है ?
4. वैदिक शिक्षानुसार जीवन के **तीन** ऋण कौन-कौन से हैं ?
5. किस ऋण से मुक्त होना सम्भव नहीं है ?
6. किस पुराण में मरणोपरान्त जीव स्वर्ग-नरक की यात्रा का वर्णन है ?
7. अश्व किस देवता का वाहन है ?
8. विश्व में किस धर्म के अनुयायी सर्वाधिक हैं ?

खण्ड—ब

9. विष्णु से सम्बन्धित किन्हीं **तीन** पुराणों के नाम लिखिए।
10. अग्नि पुराण के वैशिष्ट्य का प्रतिपादन कीजिए।

11. 'धर्म' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

12. वैदिक धर्म की विशेषताएँ लिखिए।

13. शिक्षा का उद्देश्य क्या है ?

14. वैदिक आर्यों की आहार सामग्री का वर्णन कीजिए।

खण्ड—स

15. गंगा प्रदूषण पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

16. वैदिक साहित्य के आधार पर तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था का वर्णन कीजिए।

17. अग्नि पुराण एवं वाराह पुराण का परिचय दीजिए।

18. श्रमय धर्म के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—द

19. वैदिक धर्म की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

20. श्रीमद्भागवत को वैष्णव जनप्रस्थानत्रयी जैसा महत्व क्यों देते हैं ?

21. संस्कृत साहित्य में वर्णित कर प्रणाली पर प्रकाश डालिए।

22. प्राकृतिक एवं मानवकृत पर्यावरणीय संकटों पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

खण्ड—इ

23. वैदिक संस्कृति तथा सभ्यता पर एक निबन्ध लिखिए।

24. विविध धर्मों में वर्णित पर्यावरणीय महत्ता का वर्णन कीजिए।

आवश्यक निर्देश :—

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 जनवरी 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व—हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई—जून 2022—23 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई—जून 2022—23 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय—वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक—सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**